# INFANT JESUS CONVENT SCHOOL
# ANNUAL PLAN
# HINDI
# CLASS: IX

| महीनों/ दिनों की संख्या | विषय: उप विषय | उद्देश्य | एड्स/ गतिविधियाँ | बहुमुखी कौशल | शिक्षण के परिणाम |
|---|---|---|---|---|---|
| अतिरिक्त कक्षाएँ<br>दिन: 10 | (स्पर्श भाग)<br>साहित्य भाग<br><br>पद्य-खंड:-<br>रैदास के पद | • पद्य विधा से परिचित कराना ।<br>• शुद्ध उच्चारण तथा आरोह अवरोह के साथ पठन करना । | ज्ञान :-<br>•प्रमुख भक्तिकाल के कवियों के नाम<br>•सगुण और निर्गुण धारा में अंतर<br>• कौशल :-<br><br>• मौखिक<br><br>• लिखित<br><br>• आलोचनात्मक<br><br>शिक्षण विधियां :-<br>• रैदास के पदों का वाचन।<br>• रैदास के पदों की पी पी टी दिखाना।<br>• पदों का सारांश अपने शब्दों में लिखना।<br><br>समझ :-<br>• ईश्वर के प्रति सच्ची भावना उत्पन्न करना।<br>• भगवान को प्राप्त करने के लिए बाह्य आडंबर नहीं अपितु पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है। | • ईश्वर भक्ति<br>• ईश्वर व भक्त के मध्य संबंध<br>• स्वजागरुकता | • विद्यार्थी पदों का गहन भाव समझ पायेंगे ।<br>• प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ होंगे । |
| अप्रैल<br>दिन: 17 | गद्य-खंड:- दुख का अधिकार<br>काव्य-खंड:- रहीम के दोहे<br>व्याकरण :- अनुस्वार व अनुनासिक(पाठों पर आधारित)<br>लेखन:- अनुच्छेद, नारा लेखन, अपठित गद्यांश | • सामाजिक भावना का विकास।<br>• दोहों की सीख को आत्मसात करना<br>• अनुस्वार व अनुनासिक का सही प्रयोग करना।<br>• वाचन, श्रवण,पठन व लेखन कौशल का विकास करना । | ज्ञान :-<br>• निम्न व गरीब वर्ग की समस्याएं<br>• ग्रामीण एवं शहरी जीवन का तुलनात्मक वर्णन<br><br>• मनुष्यों की विभिन्न पोशाकों का परिचय।<br><br>कौशल:-<br>• मौखिक<br>• लिखित<br>• आलोचनात्मक | • भाषायी ज्ञान<br>• दृष्टिगत ज्ञान<br>• स्वजागरुकता | • पाठ का गहन भाव समझ पायेंगे।<br>• अनुस्वार व अनुनासिक में अंतर समझ पाएंगे।<br>• सुंदर व आकर्षक नारा बनाने में सक्षम होंगे। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | • शिक्षण विधियां:-<br><br>• पाठ की मॉडल रीडिंग।<br>• दोहों के गहरे अर्थ व व्याख्या<br>• अनुच्छेद व नारा लेखन का प्रारूप<br>•दोहा अंताक्षरी के माध्यम से वाचन कौशल का विकास<br><br>समझ:-<br>• सामाजिक व व्यवहारिक भावना का विकास<br>• लेखन में अनुस्वार, अनुनासिक का अंतर समझना।<br>• लेखन कौशल का विकास । | | • अपने शब्दों में अनुच्छेद लिखने में समर्थ बनेंगे। |
| मई<br>दिन: 12 | गद्य-खंड:-<br>एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा<br>संचयन:- गिल्लू<br>व्याकरण:-उपसर्ग व प्रत्यय<br>लेखन:- अनौपचारिक पत्र | • छात्रों को अपने परिवेश एवं प्रकृति के बारे में जानकारी देना।<br>• छोटे जीवन के प्रति संवेदनात्मक चिंतन<br>• पत्र लेखन का प्रारूप सिखान | ज्ञान:-<br>• हिमालय पर्वत एवं पर्वतारोहण की जानकारी।<br>• किसी छोटे जीव के बारे में जानकारी।<br>• उपसर्ग व प्रत्यय में अंतर समझाना।<br><br>कौशल:-<br>• मौखिक<br>• लिखित<br>• वर्णनात्मक<br><br>शिक्षण विधियां:-<br>• पाठ की मॉडल रीडिंग<br>• आगे बढ़ती भारतीय महिलाओं से संबंधित चित्रों का संग्रह करना व संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करके लिखना।<br>• पाठ की घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करना।<br>• पत्र लेखन का प्रारूप व विभिन्न विषयों पर अभ्यास<br><br>समझ:-<br>• कहानीकार का सन्देश<br>• पाठ में निहित गहन भाव व सन्देश ग्रहण<br>• लेखन कला का विकास | • भाषायी ज्ञान<br>• स्वजागरुकता<br>• पारस्परिक तालमेल<br>• पर्वतारोहण संबंधित ज्ञान | • इंसानों के अतिरिक्त पशु पक्षी , जीव जंतु की सहायता के लिए उत्सुक रहेंगे।<br>• पर्वतारोहण के समय आने वाली कठिनाइयों के विषय में जानकारी हासिल करेंगे।<br><br>• अनौपचारिक पत्र अपने शब्दों में लिख पायेंगे। |
| | **REVISION: PT-1** | | | | |

| CONDUCTION OF PT-1 ASSESSMENT(Third Week Of May) | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| जुलाई<br>दिन: 23 | गद्य-खंड:- तुम कब जाओगे अतिथि, धूल<br>संचयन:- स्मृति<br>व्याकरण:- शब्द और पद | •शब्द भण्डार में वृद्धि करना।<br>•व्यंग्य कहानी ध्यानपूर्वक सुनना।<br>•व्याकरण कौशल का विकास | ज्ञान:-<br>● अतिथि देवो भव का अर्थ<br>● मनुष्य जीवन में धूल के विभिन्न पक्षों से परिचय<br>● बड़ों की आज्ञा का पालन करना।साहस से असंभव कार्य भी संभव कर सकते हैं;यह जानेंगे।<br><br>कौशल:-<br>● मौखिक<br>● लिखित<br>● आलोचनात्मक<br><br>शिक्षण विधियां:-<br>● पाठ की मॉडल रीडिंग<br>● अपने भाई बहनों के साथ बचपन का कोलाज<br>● 'अतिथि देवो भव' पर कहानी लेखन।<br>● अपने जीवन के किसी अविस्मरणीय घटना का वर्णन<br>समझ:-<br><br>•सामाजिक व नैतिक मूल्यों से अवगत होते हैं।<br><br>● शब्द व पद के मध्य अंतर<br>● लेखन कला का विकास | ● सामाजिक व व्यवहारिक ज्ञान<br>● दृष्टिगत ज्ञान<br>● स्वजागरुकता | ● विद्यार्थी पाठ का गहन भाव समझ पायेंगे<br>•कवि के विचारों को पहचान कर कविता का सारांश बताना। |
| अगस्त<br>दिन: 23 | गद्य-खंड:- वैज्ञानिक चेतना के वाहक चंद्रशेखर वेंकट रामन<br>काव्य-खंड:- गीत-अगीत<br>व्याकरण:- स्वर-संधि<br>लेखन:- संवाद- लेखन<br>अपठित गद्यांश | ● वैज्ञानिक चेतना के प्रति संवेदनशील बनाना<br>● वाचन, श्रवण,पठन व लेखन कौशल का विकास<br>● वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना | ज्ञान:-<br>● विज्ञान का महत्व<br>● प्रकृति, संगीत व विज्ञान का संबंध<br>● गीत-अगीत से आशय<br>● संवाद के उदाहरण<br><br>कौशल:-<br>● मौखिक<br>● लिखित<br>● वर्णनात्मक<br><br>शिक्षण विधियां:-<br>● पाठ की मॉडल रीडिंग | ● भाषायी ज्ञान<br>● प्राकृतिक ज्ञान<br>● वैज्ञानिक चेतना का विकास | ● पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगे<br>● दिए गए विषय पर संवाद लेखन लिख पायेंगे<br>● गद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर समझ कर लिखने में सक्षम होंगे |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | ● पर्वत प्रदेश व नदी का सौन्दर्य वर्णन<br>● स्वर-संधि की परिभाषा, सचित्र प्रकार<br>● संवाद लेखन का प्रारूप<br><br>समझ :-<br>● वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास<br>● प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, सौन्दर्यबोध<br>● लेखन व वाचन कला का विकास | | |
| सितम्बर<br>दिन: 05 | **REVISION:PT-2/ Term-2** | | | | |
| **CONDUCTION OF PT-2/ Term-2 ASSESSMENT(Second Week of September)** | | | | | |
| अक्टूबर<br>दिन: 22 | गद्य-खंड:- कीचड़ का काव्य<br>काव्य-खंड:- अग्नि पथ<br>संचयन:- कल्लू कुमार की उनाकोटी<br>लेखन:- चित्र वर्णन | ● प्रकृति व जीव जंतुओं के प्रति प्रेम व संवदेनशील बनाना<br>● जीवन संघर्षों की वास्तविकता से परिचित करना<br>● चित्र देख कर विचारों की लिखित अभिव्यक्ति करना | ज्ञान:-<br>● वृक्षों के लाभ बताएं<br>● अपने बचपन के दोस्तों के नाम<br>● सूचना से अभिप्राय व महत्व<br><br>कौशल :-<br>● मौखिक<br>लिखित<br>● आलोचनात्मक<br><br>शिक्षण विधियां:-<br>● पाठ की मॉडल रीडिंग।<br>● कीचड़ के महत्व के बारे में चर्चा<br>● कठिन परिस्थितियों का सामना करने के उपाय<br>● पाठ के नायक की मानसिक स्थिति से वर्णन करना<br>● रचनात्मक ढंग से लिखना।<br><br>समझ:-<br>● लेखक व कवि का सन्देश<br>● प्रकृति व जीवों के प्रति संवेदनशील<br>● संघर्ष का मार्ग अपनाकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में समर्थ होंगे। | ● भाषायी ज्ञान<br>● प्राकृतिक ज्ञान<br>● रचनात्मक ज्ञान | ● पाठ में निर्धारित उचित शिक्षा ग्रहण करेंगे<br>● चित्र वर्णन अपने विचारों के रूप में लिख पायेंगे । |
| नवंबर<br>दिन: 22 | गद्य-खंड:- शुक्रतारें के समान | ● हमेशा कार्यरत रहना चाहिए। | ज्ञान:-<br>● शुक्रतारे का महत्व | ● भाषायी ज्ञान<br>● प्राकृतिक ज्ञान | ● विद्यार्थी पाठ व कविता का गहन भाव समझ पायेंगे |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | काव्य-खंड:- नए इलाके में,खुशबू रचते हैं हाथ<br>व्याकरण:- विराम-चिन्ह<br>अपठित गद्यांश | ● देश के प्रति कर्तव्यबोध<br>● बाल मजदूरी एक अभिशाप है जैसे समस्या से अवगत कराना। | ● लघु उद्योगों से अभिप्राय<br>● विराम शब्द का अर्थ<br><br>कौशल:-<br>● मौखिक<br>● लिखित<br>● आलोचनात्मक<br><br>शिक्षण विधियां:-<br>● पाठ की मॉडल रीडिंग<br>● पाठ व कविता में वर्णित संदेश<br>● स्वतंत्रता आंदोलन में गांधीजी का योगदान विषय पर विचार चर्चा ।<br>● विराम चिन्हों का समुचित प्रयोग करते हुए अनुच्छेद लेखन<br><br>समझ:-<br>● यथार्थता व व्यावहारिकता का ज्ञान ।<br>● देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा ।<br>● लेखन व वाचन में विराम चिह्न का प्रयोग ।<br>● स्वाधीनता के प्रति जागरूकता। | ● स्वजागरुकता | ● विराम चिह्न का वाक्यों में प्रयोग करेंगे |
| दिसम्बर<br>दिन: 12 | **REVISION: PT-3** | | | | |
| | **CONDUCTION OF PT-3 ASSESSMENT** | | | | |
| जनवरी<br>दिन: 18 | गद्य-खंड:-मेरा छोटा सा निजी पुस्तकालय<br>व्याकरण:-अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद<br>लेखन:- पत्र, अनुच्छेद | ● लेखक के विचारों से अवगत कराना।<br>● रचनात्मक लेखन का विकास | ज्ञान:-<br>● पुस्तकालय का अर्थ<br>● शब्द व पद में अंतर<br>● पसंदीदा पुस्तक<br><br>कौशल:-<br>● मौखिक<br>● लिखित<br>● आलोचनात्मक<br><br>शिक्षण विधियां:-<br>● पाठ की मॉडल रीडिंग।<br>● पाठ के नायक के चरित्र का विश्लेष्ण। | ● भाषायी ज्ञान<br>● स्वजागरुकता<br>● पत्र-पत्रिकाओं का महत्व समझना। | ● पाठ के उचित भाव समझेंगे ।<br>● पत्र व अनुच्छेद लिख पाने में सक्षम बन पायेंगे। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | ● अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद ।<br>● अपने विचारों को अनुच्छेद व पत्र के रूप में लिखना ।<br><br>समझ:-<br>● साहित्य और व्यावहारिक शिक्षा पर जोर।<br>● घर में नियमित रूप से पत्र- पत्रिकाओं को मंगाना।<br>● अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद।<br>●लेखन कौशल का विकास। | | |
| फ़रवरी<br>दिन : 23 | **REVISION:TERM-2** | | | | |
| मार्च | **CONDUCTION OF ANNUAL EXAMS** | | | | |